

**ग्रसाधारण** 

EXTRAORDINARY

भाग I ---खण्ड 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

#### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 179]

नई विल्ली, सोमवार, नवाबर 2, 1970/का िक 11, 1892

No. 179]

NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 2, 1970/KARTIKA 11, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह ब्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 2nd November 1970

Subject.—Allotrnent of canalised items of raw materials to units engaged in the Drugs and Pharmaceutical industry—April 1970—March 1971.

No. 160-ITC(PN)/70.—Attention is invited to Section III of the Import Trade Control Policy (Red Book—Vol. I) for the period April 1970—March 1971 which contains the list of items, the import of which is canalised through the State Trading agencies. As laid down in the said Section III, the import of specified drugs and medicines/chemicals is canalised through the S.T.C. and release orders in respect of these items will be issued by the licensing authorities concerned on the S.T.C.

( 1033 )

- 2. The position has been reviewed and it has been decided that the release orders in respect of drugs and medicines/chemicals as mentioned in the Annexure I to this Public Notice will be issued to actual users (both large and small scale) covering their yearly requirements by the State Drugs Control authorities instead of the licensing authorities. In the case of items mentioned in Annexure II to this Public Notice, release orders will be issued on the S.T.C. while for the remaining items as indicated in Annexure III to this Public Notice, release orders will be issued on the Indian Drugs and Pharmaceutical Ltd. The actual users should, therefore, approach State Drugs Control authorities concerned direct for meeting their requirements of canalised items on yearly basis during the period April 1970—March 1971.
- 3. Applications for release orders for these items should be made to the State Drugs Control authorities indicating the c.i.f. value of consumption of each of these items separately for the past two years viz. 1968-69 and 1969-70. The statement of consumption should be certified by a Chartered Accountant or Cost Accountant (who holds a certificate from the Institute of Cost and Works Accountants of India). No application fees are required to be paid.
- 4. Applications for import of other items of drugs and medicines/chemicals required by the actual users engaged in the manufacture of drugs and pharmaceuticals, may be made separately to the licensing authorities in the prescribed form and manner. The applicants should not include the consumption of the items appearing in the Annexure I to this Public Notice. The existing units which have already made their applications for items including any of those appearing in the Annexure I to this Public Notice, should furnish a revised statement of consumption after excluding the c.i.f. value of consumption in respect of items given in Annexure I to this Public Notice.
- 5. The import policy and procedure in respect of items appearing in the Annexure I to this Public Notice for the period April 1970—March 1971 may be deemed to have been amended accordingly.

#### ANNEXURE I

- 1. Thiamaine Morconitrate & Hydrochloride (Vitamin B1)
- 2. Riboflavine & Riboflavine (Vitamin B<sub>2</sub>) and Riboflavine 5-Phosphate Sodium.
- 3. Folic acid.
- 4. Sulphathiazole.
- Sulphadiazine.
- 6. Sulphadimidine (Sulphamethazine).
- 7. Amldopyrine.
- 8. Analgin.
- 9. Phenobarbitone.
- 10. Piperazine and its salts.
- 11. Chloramphenicol—Powder

Palmitate

Succinate

- 12. Streptomycine sulphate.
- 13. Tetracycline base and Tetracycline hydrochloride.
- 14. 3 and 4 Cyano-Pyridines.
- 15. Meta-Amino phenol.

#### ANNEXURE II

- 1. Thiamaine Mononitrate & Hydrochloride (Vitamin B1)-
- 2. Vitamin B. (Riboflavine).
- 3. Folic Acid.
- 4. Sulphadimidine (Sulphamethazine).
- Amidopyrine.
- 6. Analgin.

- 7. Phenobarbitone.
- 8. Piperazine and its salts.
- 9. Streptomycin sulphate.
- 10. Tetracycline base and Tetracycline hydrochloride.

#### ANNEXURE III

- 1. Sulphadiazine.
- 2. Chloramphenicol-Powder

Palmitate Succinate

- 3. Riboflavine-5-Phosphate Sodium.
- 4. 3 and 4 Cynopyridines,

R. J. REBELLO, Chief Controller of Imports & Exports.

## विवेश व्यापार मंत्रालय

सार्वजिनक सूचना

### आयात व्यापार नियंत्रण

## नई दिल्ली, 2 नवम्बर, 197)

विचयः श्रीवध सवा भेयजीय उद्योग में लगी हुई एक हों हे जिए कर हे मान की सरणी-बद्ध मदों ी श्रांबटन - श्रप्रैल, 1970 --मार्च, 1971

सं 0 160—ग्राई० टी० सी० (पी० एस०) / 70 ग्राप्रैल, 1970 से मार्च, 1971 की अवधि के लिए श्रायात व्यापार नियंत्रण नीति पुस्तक (रेड बुक- वालूम 1) के भाग 3 की श्रोर ध्यान श्राकृष्ट किया जाता है, जिसमें उन मदों की सूची निहित है जिनका श्रायात राज्य व्यापार ग्राभिकरणों के माध्यम से सरणीबद्ध किया जाता है। उक्त भाग 3 में निर्धारित किये गये के श्रनुसार, निर्विष्ट श्रीषिधियों तथा दवाइयों / रसायनों का श्रायात राज्य व्यापार निगम के माध्यम स सरणीबद्ध किया जाता है तथा इन मदों के सम्बन्ध में सम्बन्धित लाइसेंस श्राधिकारियों द्वारा राज्य व्यापार निगम को रिहाई श्रादेश जारी किये जाएंगे।

2. स्थिति का पुनरोक्षण किया गया है तथा यह निश्चय किया गया है कि इम मार्वजनिक सूचना के अनुबन्ध 1 में उहिलिखन भेषज तथा दबाइयों /रपायतों के सम्बन्ध में रिहाई आदेश, वास्तविक, उत्तमोक्ताओं (बड़े तथा छोटे पैमाने उद्योग दोनों) को उत्तको वाषिक आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए, लाइतेंत प्राजिकारियों के बजाय, राज्य भेषज नियंत्रण आधिकारियों द्वारा जारी किये जाएंगे। इस सार्वजनिक सूचना के अनुबन्ध 2 में उहिलिखत मदों के सम्बन्ध में रिहाई आदेश राज्य व्यापार निगम को जारी किये जाएंगे जबकि इस सार्वजनिक सूचना के अनुबन्ध 3 में निर्दिष्ट शेष मदों के लिए रिहाई आदेश इंडियन इंग्स एंड फामेस्युटिकल लिंग कारी किये जाएंगे। अतः अप्रैल, 1970 मार्च, 1971 अवधि के दौरान वार्षिक आधार पर सरणीबद्ध मदों की अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये वास्तविक उपयोक्ताओं को सीधे सम्बधित राज्य भेषज नियंत्रण प्राधिकारियों के पास पहुंचना चाहिये।

- 3. इन मवों के रिहार्ष आदेश के लिये आवेदन-पत्न, इनकी प्रत्येक मद का पिछले दो वर्षों अर्थात् 19/68-69 तथा 1969-70 में लागत -बीमा भाड़ा मुल्य का अलग अलग उपभोग निर्दिष्ट करते हुए राज्य भेषज नियंत्रण प्राधिकारियों को भेजने चाहिये। उपभीग का क्यौरा सनदी लेखापाल श्रथवा लागत लेखापाल (जिसके पास भारत के लागत तथा निर्माण लेखापाल संस्थान का प्रमाण पत्न हो) हाराप्रमाणित होना चाहिये। आवेदन पत्न के लिये, कोई णुल्क चुकाने की श्राद्यक्ता नहीं है।
- 4. भेषजों तथा स्वायकों के निर्माण में लगे हुए वास्तिवक उपयोक्ताओं के लिये भेषज तथा ववाइयों /रसायनों की अन्य आवश्यक मदों के आयात के लिये आवेदन पत्न अलग से विहित प्रपन्न में तथा विहित रीति से लाइसेंस आधिकारियों को भेजने चाहिये। आवेदकों को इस सार्वजनिक सूचना के अनवन्ध 1 में प्रविध्ति मदों के उपभोग को सिम्मिलित नहीं करना चाहिये। वर्तमान एकक, जिन्होंने इस सार्वजनिक सूचना के अनुबन्ध 1 में मदों में शामिल की गई किसी मद के लिये पहले ही अपने आवेदन पत्न भजे हैं, उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के अनुबन्ध 1 में दी गई मदों के सम्बन्ध में लागत-वीमा -भाड़ा मूल्य के उपभोग को निकालने के बाद, अपने उपभोग का एक परिशोधित व्यौरा प्रस्तुत करना चाहिए।
- 5. इस सार्वजिनिक सूचना के अनुबन्ध 1 में दिखाई गई मदों के सम्बन्ध में अप्रैल, 1970 से मार्च, 1971 अविधि के लिये आयात नीति तथा कियाविधि को तदनुसार संशोधित किया गया समझा जाए।

## धनुबन्ध 1

- 1. थियामेन मोनोनाइट्रैंट तथा हाइड्रोक्लोराइड (विटामिन बी) ।
- 2. रिबोफ्लेविन तथा रिबोफ्लेविन (विटामिन बी 2) तथा रिबोफ्लेविन 5 फोसफेट सोडियम ।
- 3. फोलिक ग्रम्ल ।
- 4. सल्फाथिस्राजल
- 5. सल्फाडिश्राजिन
- 6. सल्फाडिमिडिन (मल्फामिथाजाइन)
- 7. एमिडोपाइरीन ।
- 8. एनालजिन ।
- 9. फैनोबरबिटोन ।
- 10. पिपरजिङ्ग तथा इसके नमक।
- 11. क्लोरमफैनिकाल-पाउडर।

पामिटेट ।

सक्सिनेट ।

- 12. स्ट्रेप्टोमाइसीन सल्फेट ।
- 13. टैट्रासाइक्लिन बेंस तथा टैट्रासाइक्लिन हाईड्रोक्लोराइड ।
- 14. 3 तथा 4 सायनों -पैरिडिन।
- 15. मैटा-एमिनो फिनल ।

# प्रतबन्धः १

- श्रियामेन मोनोनाइट्टैंट तथा हाइड्रोक्लोराइट (बिटामिन खी 1)
- विद्यामिन वी 2 (रिवोफ्लेबिन)
- 3. फोलिक ग्रम्ल।
- 4. सल्काडिमिडिन (শল্কা मित्राजिन)
- एमिछोपाइनिन
- एनलजिन ।
- 7. फिनोबारवीटीन ।
- 8. पिपराजिन तथा इसके तसका।
- 9. स्ट्रेस्टामाइसिन सल्फेट ।
- 10 देट्रामाडक्लिन वेस तथा टेटानाइक्लिन हाण्डोक्लोराइड ।

## ग्रन्बन्ध उ

- सुल्फाडायजिन ।
- क्लोरमफैनिकाल-पाउइर । पामिटेट सविसनेट
- 3. रिखोफ्लेबिन-5- फासफेट संाडियम
- 4 3 तथा 4 म इनोपिरिइन।

श्चार० जे० रबैला. मक्य नियंत्रक, श्रायात–निर्यात ।